फीड बैक का विश्लेषण

अभिभावक का फीडबैक (2016–17) का विश्लेषण –

दिनांक 30/06/2017 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 14/07/2017 को किया गया, जिसके अनुसार अभिभावकों ने परिसर की साफ सफाई को कमोवेश सभी ने सराहा था और जो छोटी–मोटी कमियों का उल्लेख अभिभावकों द्वारा प्रथक से इंगित किया गया था उनमें विशेष रूप से बन्द प्रयोगशालाओं की सफाई का प्रकरण उल्लिखित किया गया था। लगभग 70 प्रतिशत से अधिक अभिभावकों ने जनपद में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को सर्वोच्च स्थान दिया गया था और अंग्रेजी तथा क्रीडा के क्षेत्र में सुधार की अपेक्षा की गई थी। महाविद्यालय की कैन्टीन की व्यवस्था को 90 प्रतिशत अभिभावकों ने जनपद में उपलब्ध संसाधनों के परिप्रेक्ष में सर्वोत्तम व्यवस्था मानी गयी थी केवल कैन्टी में खाद्य पदार्थो के निर्माण में थोड़े और सुधार का सुझाव दिया गया था। महाविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर भी अधिकांश अभिभावकों ने विश्वास व्यक्त किया और जो समस्यायें इंगित की गई वे विश्वविद्यालय से सम्बन्धित थी जिसमें महाविद्यालय स्तर से कोई कार्यवाही सम्भव नही थी। ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट एवं क्रीडा गतिविधियों की सुविधा पर लगभग 40 प्रतिशत अभिभावकों ने चिन्ता व्यक्त की थी और इस दिशा में प्रयास की आवश्यकता थी। महाविद्यालय की लाईब्रेरी, वाईफाई, इण्टरनेट सुविधा, परिवहन एवं सुरक्षा व्यवस्था की उत्कृष्टता को देखते हुए 74 प्रतिशत अभिभावकों ने 05 स्टार और 11 प्रतिशत अभिभावकों ने 04 स्टार देकर महाविद्यालय की व्यवस्था पर विश्वास व्यक्त किया था।

कार्यवाही :

दिनांक 14/07/2017 को फीडबैक के विश्लेषण किये गये और विश्लेषण के परिप्रेक्ष्य मे निम्नांकित कार्यवाही के लिए प्राचार्या/प्रबन्धन को संस्तुत किया गया।

– परिसर की साफ–सफाई के प्रति यद्यपि अधिकांश अभिभावकों ने उत्कृष्ट बताया है फिर भी इस दिशा में लगातार जागरूक रहने की आवश्यकता है जिससे इसके स्तर में गिरावट न आये।

– शैक्षणिक स्तर के सर्वोच्च स्तर को बनाये रखने के लिये शिक्षक–शिक्षिकाओं के लिये वर्कशाप आयोजित किया जाये।

– महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं में साफ–सफाई के लिए प्रयोगशाला सहायकों और सभी प्रयोगशाला प्रभारियों को निर्देशित किया जाये कि वे प्रयोगशालाओं को मानकों के अनुरूप सुसज्जित रखने के लिये हर सम्भव प्रयास करे।

– कैन्टीन संचालक को यह निर्देशित किया जाये कि वे निर्मित समाग्रियों की बिना सेम्पल टेस्टिंग कराये छात्राओं को उपलब्ध न कराये।

– पुस्तकालय में नये पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों की उपलब्धता की समस्या अति गम्भीर रूप से अभिभावकों द्वारा इंगित की गई थी। इस समस्या पर गम्भीरता से विचार किया गया। वस्तुतः उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में संशोधन किये जाने के कारण प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा अस्थाई रूप से शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पाठ्यक्र को अंगीकृत कर लेने के कारण पुस्तकालय में पूर्व की उपलब्ध पुस्तकें किसी सीमा तक कम उपयोगी रह गयी है इसलिए शिक्षक–शिक्षिकाओं को

निर्देशित किया जा रहा है कि वे उपलब्ध पुस्तकों से पाठ्यक्र के अनुरूप सामाग्रियों को प्रिन्टेड मैटर के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– सामान्यतः अभिभावकों ने छात्राओं के लिये क्रीडा परिसर में सुझाव के लिये सुझाव दिया गया है। इस सम्बन्ध में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्राधायपक एवं प्रभारी श्री बलराम जी को परिसर को उच्चस्तरीय बनाने के लिये निर्देशित किया गया।

– प्रतापगढ़ नगर में कोई भी औद्योगिक प्रतिष्ठान न होने के कारण छात्राओं के ट्रेनिंग और प्रशिक्षण की व्यवस्थ उन्नत किस्म की नही हो पा रही है इसके लिए यह सुझाव दिया गया कि प्रतापगढ़ में चल रहे आँवला उद्योग की फैक्ट्रियों एवं अन्य प्रतिष्ठानों में छात्राओं को प्रशिक्षित कराया जाये तथा फल संरक्षण और हस्तकौशल को बढ़ावा दिया जाये।

<u>अभिभावक का फीडबैक (2017–18) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 20/06/2018 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 27/07/2018 को किया गया, शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम, परिवहन, हरित परिसर, मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम, सुरक्षा व्यवस्था, कैन्टीन की व्यवस्था, लाईब्रेरी, वाई–फाई, इण्टरनेट को अभिभावकों ने सामान्य रूप से सराहा था। अभिभावकों ने शिक्षा के स्तर, प्रयोगशालाओं, क्रीडा, चिकित्सा सुविधा, ट्रेनिंग प्लेसमेन्ट के प्रति चिन्ता व्यक्त की गई थी।

<u>कार्यवाही :</u>

सत्र. 2017–18 के अभिभावकों द्वारा महाविद्यालय के द्वारा दिये गये फीडबैक के अनुशीलन से प्राप्त निष्कर्ष के आधार पर निम्नांकित कार्यवाही अपेक्षित थी।

– पुस्तकालय में नवीनतम् पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सुझाव अभिभावकों द्वारा दिया गया है, किन्तु विश्वविद्यालय द्वारा स्थाई पाठ्यक्रम अंगीकृत न किये जाने के कारण अभी भी प्रकाशकों द्वारा विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम पर आधारित पुस्तकें उपलब्ध नही करायी जा रही है ऐसे में शिक्षक–शिक्षिकाएं स्वयं संदर्भ ग्रन्थों के आधार पर पाठ्य सामाग्री प्रिन्टेड मैटेरियल के रूप में छात्राओं को उपलब्ध कराये।

– ट्रेनिंग और प्लेसमेन्ट के लिये यद्यपि अभिभावकों ने अपने सुझावों में व्यवस्था में सुधार का उल्लेख किया है, किन्तु जनपद में औद्योगिक इकाईयों के आभाव के कारण महाविद्यालय के प्रयास कोई बहुत अच्छा परिणाम नही ला पा रहे है। महाविद्यालय में फल संरक्षण, डॉल मेंकिंग, ज्वैलरी मेंकिंग, आचार, मुरब्बा मेकिंग का प्रशिक्षण जारी रखा जाये।

– महाविद्यालय में वाईफाई सुविधा, इण्टरनेट सुविधा, परिवहन सुरक्षा और साफ–सफाई, शैक्षणिक गतिविधियों के उत्कृष्ट स्तर को बनाये रखने के लिए सम्बन्धित प्रभारियों को निर्देशित किया जाये और मासिक समीक्षा के आधार पर लगातार कार्यवाही की जाये।

– अभिभावकों ने क्रीडा परिसर के उन्नयन के लिये सुझाव दिया है जिस पर गम्भीरतापूर्वक विचार किया गया और महाविद्यालय के प्रशिक्षक श्री बलराम जी को क्रीडा परिसर की उत्कृष्टता को बनाये रखने का दायित्व सौपा गया।

<u>अभिभावक का फीडबैक (2018–19) का विश्लेषण –</u>

दिनांक 07/04/2019 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 11/07/2019 को किया गया। परिसर में साफ–सफाई, शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा पद्धति, शैक्षणिक स्तर, कैन्टीन, सुरक्षा, परिवहन, लाइब्रेरी, वाईफाई की व्यवस्था को अधिकांश अभिभावकों ने सर्वोत्तम बताया। चिकित्सा व्यवस्था में गत वर्ष की अपेक्षा सुधार को अभिभावकों ने रेखांकित किया। सामान्यता अभिभावकों ने प्रयोगशाला के साफ–सफाई पर और ध्यान देने की ज़रूरत बतायी और शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को और विस्तृत करने तथा और अधिक छात्राओं को सम्मिलित करने पर जोर दिया।

कार्यवाही :

दिनांक 11/07/2019 को सत्र 2018–19 के अभिभावकों द्वारा दिये गये फीडबैक का विश्लेषण किया गया और इस विश्लेषण के आधार पर निम्नाकिंत कार्यवाही संस्तुत की गई।

– परिसर में साफ–सफाई, शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा पद्धति, शैक्षणिक स्तर, कैन्टीन, सुरक्षा, परिवहन, लाइब्रेरी, वाईफाई की व्यवस्था को अधिकांश अभिभावकों ने सर्वोत्तम बताया। अभिभावकों के इस स्नेह के लिए उन्हे धन्यवाद दिया गया और प्राचार्या से अपेक्षा की गई कि वे अपने कुशल निर्देशन में अभिभावकों की अपेक्षाओं के अनुरूप इन सुविधाओं की उत्कृष्टता के स्तर को नित नये आयाम प्रदान करे।

– महाविद्यालय की प्रयोगशालाओं के प्रभारियों को अभिभावकों की चिन्ता से अवगत कराया गया। अपेक्षा की गई कि अभिभावकों द्वारा दिये गये सुझावों को शत्प्रतिशत क्रियान्वित कराये।

– क्रीडा प्रशिक्षक श्री बलराम जी को निर्देशित किया गया कि क्रीडा की विधाओं में अधिक से अधिक छात्राओं को सम्मलित कराये और विश्वविद्यालय स्तर तथा उससे ऊपर की प्रतिस्पर्धाओं में भी महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करे।

– शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम को और विस्तरित करने के लिये अभिभावकों के सुझाव पर विचार हेतु प्राचार्या को अधिकृत किया गया।

अभिभावक का फीडबैक (2019–20) का विश्लेषण –

दिनांक 27/05/2020 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 02/07/2020 को किया गया और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक को 2020–21 के लिए परिसर को तैयार करने की योजना बनाई गई। अभिभावकों ने परिसर की साफ–सफाई, परीक्षा व्यवस्था, शिक्षा के स्तर, कैन्टीन के स्तर, लाइब्रेरी, नेट, सुरक्षा व्यवस्था वं परिवहन व्यवस्था आदि में गत् वर्षो की अपेक्षा गुणात्मक सुधार का उल्लेख किया गया था किन्तु चिकित्सा सुविधा, ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट के संदर्भ में सुधार की आवश्यकता व्यक्त की गई थी। अभिभावकों ने कोरोना अवधि के लॉकडाउन में महाविद्यालय की भूमिका की भूरि–भूरि सराहना की और अपने ऑनलाईन फीडबैंक/मीटिंग में महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे सामाजिक दायित्यों के निर्वाहन में छात्राओं के योगदान की अनुमति भी प्रदान की गई।

कार्यवाही :

दिनांक 02/07/2020 को सत्र 2019–20 के अभिभावकों द्वारा दिये गये फीडबैक का विश्लेषण किया गया और इस विश्लेषण के आधार पर निम्नाकिंत कार्यवाही संस्तुत की गई।

– परिसर की साफ–सफाई, परीक्षा व्यवस्था, शिक्षा के स्तर, कैन्टीन के स्तर, लाइब्रेरी, नेट, सुरक्षा व्यवस्था वं परिवहन व्यवस्था आदि में गत् वर्षो की अपेक्षा गुणात्मक सुधार का उल्लेख किया गया है इस संदर्भ में सभी प्रभारियों को अभिभावकों के अपेक्षाओं के अनुरूप अभिभावकों से सम्पर्क कर उनके सुझावों के अनुरूप आवश्यक कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया गया।

– नियमित चिकित्सीय परीक्षण के लिये अभिभावकों के सुझाव के अनुरूप डॉ0 राकेश शर्मा को महाविद्यालय द्वारा अनुबन्धित किये जाने एवं ऑनलाईन सलाह के लिये मनोचिकित्सक डॉ0 गिरजेश श्रीवास्तव, प्रयागराज को अनुबंधित किये जाने का सुझाव दिया गया।

– कोविड–19 के कारण लॉकडाउन हो जाने के कारण छात्राओं को सामाजिक दायित्वों को बोध कराने के उद्देश्य से उन्हे ऑनलाईन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु महाविद्यालय के ट्रस्टी श्री हर्षित श्रीवास्तव से आग्रह किया गया।

अभिभावक का फीडबैक (2020–21) का विश्लेषण –

दिनांक 23/04/2021 को अभिभावकों से प्राप्त फीड बैक एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त फीड बैक का विश्लेषण दिनांक 09/11/2021 को किया गया और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक की समीक्षा की गई। सत्र 2020–21 कोविड–19 की अवधि से सम्बन्धित था और महाविद्यालय अत्यन्त कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था। अभिभावकों और छात्राओं का विशेष सहयोग महाविद्यालय को प्राप्त हो रहा था। सामान्य फीडबैक ने महाविद्यालय की गतिविधियों में व्यापक सुधार को रेखांकित किया था और कठिन परिस्थितियों में भी महाविद्यालय की सुचारू व्यवस्था को सराहा गया था। महाविद्यालय बन्द होने के बावजूद साफ–सफाई, प्रयोगशालाओं का अनुरक्षण, योगा और शारीरिक शिक्षा के ऑनलाईन कक्षाएं, कोविड वैक्सीनेक्शन और कोविड पीडितों की महाविद्यालय द्वारा सहायता को अभिभावकों ने प्रमुखता से उल्लिखित किया था। महाविद्यालय द्वारा यूट्यूब चैनल एवं गूगूल मीट, वर्क–प्लेस प्लेटफार्म पर चलाये जा रहे ऑनलाईन कक्षाओं की सराहना की गई।

कार्यवाही :

कोविड–19 के लॉकडाउन के कारण सत्र 2020–21 के लिये प्राप्त अभिभावकों के फीडबैक पर कार्यवाही के लिये दिनांक 09/1/2021 को समिति की बैठक सम्पन्न की गई और अभिभावकों से प्राप्त फीडबैक के साथ–साथ कोविड–19 के नियमों के अनुरूप निम्नांकित निर्णय लिये गये।

– परस्पर दूरी को बनाये रखते हुए क्रमवार छात्राओं को पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराया जाये।

– यूट्यूब चैनल, गूगलमीट, वर्कप्लेस पर चल रहे ऑनलाईन कक्षाओं को संचालित करते रहा जाये।

– प्रत्यक्ष कक्षाओं के लिये क्रमवार छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेशित किया जाये और उन्हे शिक्षकों के सीधे सम्पर्क में आने से बचाते हुए प्रतिदिन सेनेटाइज़ कक्षाओं में कक्षाएं संचालित की जाये।

– पाठ्यक्रम के अनुरूप शिक्षण सामाग्री को डिजिटल रूप से छात्राओं को उपलब्ध कराया जाये।

– कैन्टीन की सुविधा आगामी सत्र के लिये निलम्बित रखी जाये।

– परिसर की साफ–सफाई और सेनेटाइज़ेशन की सुचारू व्यवस्था बनाये रखने के लिये सेनेटाइजिंग टनल, आटोमैटिक हैण्डवाश सिस्टम को कार्यशील रखा जाये। परिसर एवं वाहनों को प्रतिदिन सेनेटाइज़ कराया जाये। इसके लिये सेनेटाइज़र की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये।

– सांस्कृति कार्यक्रम, क्रीडा अभ्यास एवं प्रयोगशालाओं में पारस्परिक दूरी बनायी रखी जाये।

– पेय जल व्यवस्था को और सुदृढ बनाने के लिये अतिरिक्त आरो की व्यवस्था की जाये।

– ऑनलाईन कक्षाओं के लिये निर्वाद विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोलर विद्युत आपूर्ति एवं इण्टरनेट की व्यवस्था को सुदृढ किया जाये।

– अभिभावकों की ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेन्ट के सम्बन्ध में मांग को देखते हुए जिला सेवा योजन अधिकारी के माध्यम से टाटा कंसल्टेन्सी सर्विस से 78 छात्राओं के 03 माह की ऑनलाईन ट्रेनिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई।